

This PDF you are browsing now is a digitized copy of rare books and manuscripts from the Jnanayogi Dr. Shrikant Jichkar Knowledge Resource Center Library located in Kavikulaguru Kalidas Sanskrit University Ramtek, Maharashtra.

KKSU University (1997- Present) in Ramtek, Maharashtra is an institution dedicated to the advanced learning of Sanskrit.
The University Collection is offered freely to the Community of Scholars with the intent to promote Sanskrit Learning.

Website
https://kksu.co.in/

Digitization was executed by NMM

https://www.namami.gov.in/

Sincerely,

Prof. Shrinivasa Varkhedi
Hon'ble Vice-Chancellor

Dr. Deepak Kapade
Librarian

Digital Uploaded by eGangotri Digital Preservation Trust, New Delhi
https://egangotri.wordpress.com/

सनस्वप्नि

॥१॥

श्रीगणेशाय नमः ॥ ईश्वर उवाच ॥ श्रीमद्देवी प्रवक्ष्यामि ज्ञानं त्रैलोक्य दुर्लभम् ॥ ज्योतिः स्वप्न
स्वपस्यान देवीनाम विदेहं भेम् १ नतिथीर्न्नेव नक्षत्रं न योगं केवलं नेच ॥ सूलिलें धामयेऽज्ञ
स्वनमं दानं च चंद्रमा २ नक्षत्रं योगिनिराशी नहि हेमनंतमोगया ॥ व्यतिपाते च संक्रांतौ भ
द्रायाम स्नुमेदिनेऽरु सोगोलिरवोन मालोक्य सर्वे वीक्षोपस्नानये ॥ कदाचिद्रवोनेमेनूः सागरा
स्वमहीवरा ॥ सृष्टि पत्नी वाभूमी वन्हीर्वायाति सोननेम् ॥ नोरवलोहभवेदा [illegible] नौ स्यथासो
वभाषोतेम् ॥ नरोद्देवयच्छामी मूकर्मानानूरवोरसम् ॥ सोऽट्ट स्वनेतथामै त्रृणभेटय पदेव
कें ॥ वोसोवनं तथा स्वेपन्नमे देवनथीवव ॥ अथ श्रीजिद्रावसावैतावालेव वृद्धि श्रीषभाम् ॥
नेन्दनेपमसीम्य वभे गृसावि वकेकेमान ॥ सोट्ट सोऽपन्नवाकार्थे स्वानह्ले ने गुजास्ववेष्टु
मैवैमैत्रंस्मभंकार्थ प्रतिच्छादनेचाभर्ट ॥ पपदे वेसवकार्य मस्तुवि कौ बीहू वनमे ॥ नुनर्द ॥

॥१॥

Accession No. ~~10319~~ M950
नाम: ज्योतिष २१४-अहर्य (संपूर्ण)
पत्रे: (31)

KKSU LIBRARY
RAMTEK
441 106
M950
Dist Nagpur

Checked 2012

(1)

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

२ ८

राम १

वेपि मा वादि पृ वे श्रो स्य भी जि न्मन:॥ रावूरो सो धे पे दै वं पू दु का प्यिं व वा लेवे:॥ वो भो र वू रो छ मं कां पि
नं न्दे ने पं त्र सोषे तं॥ पृ मे म्ल न्तू म वा पृ ति सो म्पि सि दृ वं दं नि ते॥ म गे न्तू सा वे ये बा द सा वो त्रे मं ग ल्यो दिवे॥
उ दं थे मो न्द्र मा दि न्पे मे वे सो मे मू [illegible] हि नि कि म:॥ य पृ दे वो भी म वा चे न्तृ न दे व वू वे स्म्ल न म॥ [illegible] रा व
सां ते न्तू वा रू बा म्हे दो जी वे व वी भो ष सा:॥ मा नौ य म मू हृ न्नें वि सा न ष्य व त्रे मे सा वे॥ ते न्तू सो म दो ने
सि न्वं र ज श्व वा या न के म्ल जो॥ छ न्य र्षे वू पे वा सा दै न मो नो हि व न्तू ष्ठ पे:॥ सा न्वे व जा य न्ते सि दि
र जं सां हृ फ़ लें भ वे न्:॥ न म सा नि :पू ले से य छ का ष्ये षू ना न्य था:॥ छ न्य न म: खा दि भो
रे वू स दै र्व न्न पू र म गा म्या वो पा धे॥ म्ल न्सू सा प्या प र प मो दि से से भ्री वो ह्न ना मा म्ल न स र्व:
सो हृ:॥ भ्य म्ल नै उ व ने र वे का का ले ने र वा त्र यं न था॥ वो बू म्या व र्त कं न त्रे छ न्ये छ न्य मि ति कु मा त्र॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

भवेन्कायेवीवृषवर्त्तकेः

अन्येनैव [illegible] मान ॥ मात्रस्यान्कालवेला या सर्वसीद्धिस्तथा मते ॥ अथैव रामछे ॥

अन्यसप्दे नरवै नैव मुहूर्त्ते अन्यं जानियात ॥॥

ततकाशः वायवेनेनेकानेशा अयेन नसख्यामहु

मुहूर्त्ते गोचूकने ॥ गरोकाकेवकेन अयेन नसंख्यानि मुहूर्त्ते

अथैवनुकेवकेनपदेनेद्द मुहूर्त्ते गोचूकने ॥ अथैपमवाचके पदेन अयेन नसंख्यानि मुहूर्त्ते ॥

तोनिविधेकराशि तानियात ॥ अथैपमवाचके पदेन संके मुहूर्त्ते मात्रकनं सेयम ॥ ॥

मन्यकारांशी जानियात ॥ पद्वोचकसप्देन संके मुहूर्त्ते मात्रकनं सेयम ॥ अथ मन्त

अथवीक्षवाचके पदेन अयेन नसंख्या समानि मुहूर्त्तानि सीद्धि कराशि अथ मन्त्र

अथवीक्षवाचके पदेन अयेन नसख्यासमानि मुहूर्त्तानि सीद्धिकराशि अयवापि एकमेव

काशि अथमन्तवाचकपदेतोनेका त्वनेयापि सीद्धि सप्देनेक त्वन्ते तावापि एकमेव [illegible] तोनिका

मुहूर्त्तं सीद्धिकम सेयं ॥ पादगोवके पदेन यमप्ताद्देन या निबवेन्द्रियेते

मुहूर्त्तं सीद्धिकम सेयं ॥

२

२

३

सा म॰

त्वेवेलोख्यानि म्प्रवोक्तू म्पम नानि ॥ श्रीवाचक्वपदेने पानि ष्वरही येनन्नानिम्प
म्पतेः सक्षे सोनि ॥ मोवृ फेत्रु सा वेत्रेषुः वेसा खे भ्रावृ मोतथा ॥ नमस्ते मासि वा
राशा मृकु तेरचनो ष्पते ॥ यदा पदा पासतया नृत्यं संपद्यते काष्ठमनेकेका त्र
ना ॥ नदानंदा गछ्छसिवोते सा स्वेत स्सा वनोय भूवीसगुरु सोमच्चा ॥ सिवेन नगादित
त्योतिस्सा तु सा स्ववी गछु तिस्माव का ना हि नाथायदेया तस्त्रुकणेवा नम्र ॥
नवोने मे: वीवे [illegible] सा जोगोवीन्द नामान भम्योवृ गा मो तुनो लिवरव मेरवाना
वा नोन जासिनि स्वोते ॥ कन्यामो भुन सोहा नौवा तस्वेने [illegible] याय तेर धन्तुमीन

वेसय ६

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

रामः

नवौनमः मेमावबौबुराजो गोवींन्द नामा चन भोग्रुगानोंम॥ नैदिवा:

नै ध्रै मै चा जे वि त्त श्र ना बी वि नं प सो भ सा

त न स स्र न नं त त स स्रु नु नं त त स स

० ६ ६ ६ ०७७७० ०६ ६ ६ ०७७७०

मसंत्ता नदिराजो:॥

रातौन्त सांहौ भगलें नमः रवलेन्ल्मी सैंलें म्बोदनरा

नै ध्रै मै चा जे वि त्त श्र ना बी वि नं प सो भ सा

स त स्र स न नं त त स स न न स त स्रु स्रु

६ ६ ६ ०७० ० ० ६ ६ ६ ०७७७० ६ ६

(७)

राम

सोमेदनिर्विघ्नपतो अनेन अन्यं वगोरि भुतवो लसमैः ॥ सोमदिवा ॥

सो मे द नि र्वि घ्न प तो अ ने न अ न्यं व गो रि

मे चा जे वि लं अ ना वा वि नं प सो म सा मे श्व

म स न न ने न स स न न न ते स स न न

६ ६ ०००० ६ ६ ६ ० ००००० ६ ६

पदं नि शा धा रव रवि भ नु न्ये ड गं व ना रा पन्न वि नाथ: २ सोमरात्रौ

पदं नि शा धा रव रवि भ नु न्ये ड सो म सा ना श्व मे

वा जे वि लं अ नो वी वी ने प स न न न न न स स

न न स से न न न ने स स न न न न स स

४ ० ० ६ ६ ० ००० ६ ६ ६ ६ ००००

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

राम १

मौमेयमौ वीछ्ठ हृहीमखग्ग्मंड [illegible] गंमंदनी सोपिगजानन नभव ।। मौमहिरा

ज वि तू अ मा वा वि नै प सौ मै स रो छ्वे मै वा

र र त त स स र र त त स स र र त त

४ ४ ८ ८ ८ ८ ० ० ० ० ८ ८ ० ० ० ०

नेतं चवीछ्ठं वाछ्यं ठकुं न्दपट त्रप: सोपतिरवं चविछ्ठ ३।। मौमसा [illegible] त्रो ।।

वि तू अ वा ता पि मै जे सौ मं म्ब तै छ्वे मे ता ज

स स र र त त स स र र त त स स र र

८ ८ ४ ४ ८ ८ ८ ४ ४ ४ ८ ८ ० ० ० ०

(७)

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

④

राम१

भवे वन्‍ना। ब्रह्मलय मो वसौ रीः सौरीर्ध न्‍नः सौ निय मो वम्‍न प:॥ भेवदिवा॥

न भ्य रा व वि नं प सौ भ सा रो ख्वे मे वा जा वि

मे म स स न न म म स स न न म त स स

॥ ७॥ छेवरात्रौ॥

रु: त्रौ ७ प सौ शिव ध्रुज म्‍बुपु गमं न भोध दामो द्‍न कुं ने रा स्थो:

भ्य ना वा वी नं प सौ भ सा रो ख्वे मे वा जु वि न

र र मे मे स स र र म मे स स्स र म मे

8

रामः१

ग्रसैगोपनाथ स्त तोविष्ठि नाथो न भः केसाव तुं जरामप स्त थे व ५ गनु दिवा ॥ ५ ॥

[illegible] वि जे वि नु आ

रा वा वि नें प सौ भ सा रौ ष्व मे बा जो वि नु आ

सा सा रू रू न न सा सा र र नु नु सा सा र र

ऽ ऽ ऽ ऽ ० ० ० ० ० ० ऽ ऽ ऽ ऽ ० ० ० ०

निष्ठायांपदंनुदनसाथेसानुंनेभोमाथेवः श्वापमेकेरगेखः ॥ गनुरात्रौ ॥ ५ ॥

नि ष्ठा यां प दं नु द न सा थे सा नुं नें भो मा थे वा जो वि नु आ रा

वा वि नं य सौ भः सा रौ ष्व मे र रू न न र रू

न न सा सा र र न न सा सा र रू ऽ ऽ ऽ ० ० ऽ ऽ

४ ऽ ऽ ऽ ४ ४ ४ ४ ० ऽ ऽ ऽ ० ० ऽ ऽ

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

(९)

रास

ॐ नैविभ्रिः स्वाप्नम रवंसत्सुनसीः गोरीछत्र ॥ श्रीपतीः छन्दमेके ॥६॥ छत्रेद्रिः ॥

वा जी वि ते म्मा रा वी

वि नं प सौ भ सा रो श्वे मे त त स स र र त त

न न त त स स न न त त ऽ ऽ ऽ ०

ऽ ऽ ω ω ० ऽ ऽ ऽ ऽ ω ω ऽ

...रवपासैः ॥७॥ छत्रेस[illegible]त्रो

जन्मकालेंभ्रवसदाखेच[illegible] पुस्मंपादद्दंद्वीवामनः ख

वा जे दि ते म्मा रा वी विः

ने प सौ भ सा रो श्वे मे र र त ते स स र र

स स र र त त स स र र त ते ऽ ऽ ऽ ० ω ω

ω ω ऽ ऽ ऽ ● ऽ[illegible] ω ω ऽ ऽ ऽ ०

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

शान्तोवदंभ्रीरवनः भोन भः खंनारायणो नीरक्षि खंहरोरव ॥७॥ शनिर्द्विः ॥

य	सो	भ	सा	रो	ष्ठे	मै	वा	ज	वि	नु	भ्र	रा	वा	वि	नं
त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	नु	न	त	त	स	स
४	६	०	०	०	६	६	६	६	०	६	६	०	६	६	०

शाश्रेशुखच्छन्यंपमाधवौचूर्खंविनभ्रराजोनूहरंशिखपारैः ॥७॥ शनिरात्रौ ७

सो	भ	सा	रो	ष्ठे	मै	वा	ज	वि	नु	भ्र	रा	वा	वि	नं	य
र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त
०	४	४	६	६	६	०	६	०	६	०	६	६	६	४	४

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

(८१)

श्राद्धवाने कार्तिके मार्गपौषे सप्तमी दिवाने ७ मूहूर्त योगा ॥ नामान्सरासांग
रानाप्रकत्याविकान ७ र्ध विवृवैविर्विस्फाः ९ ॥

सुर्व्येन्त सोह्विभगानेच वापोहूरोर्नभः रवंपमस्तुभाहि ॥ ८ ॥ रविदिवाः ॥

सौ श्र मै चा जे वे मृ आ रा वा वि नें य सौ सा भ
त त स स र र त त स स र र त त स स
६ ६ ६ ४ ४ ६० ६ ६० ० ४ ६ ६ ६ ४

सा नौपदं वा पषम स्तुतं वृषस्मं पहै विष्ठ धं सौ द्धि सं से ॥ ७ ॥ रविरात्रौ ॥ ८ ॥

श्र मै चौ जे वि तृ आ रा वा वि नं प सौ भ सा रो
र र म त स स र र त त स स र र त त
४ ६० ० ६ ६ ६ ६ ४ ४ ६ ६ ० ६ ६

12

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

सोमेरवबावापंथ्वनभौमूकुंन्दोनभछ्वभ्रगमंहूरीखंह रोश्व ॥२५॥ सोम दिवा॥

से वा ज वि तु अ रा वा वि नं प सो भ सा ये शे
स स र र त त स स र र त त स स र र
ω 6 6 0 0 6 6 6 0 6 6 6 6 0 6 6

पदंनिक्षापांतुगारवंभ्रसोर्विनापकोवीछ्वनभछ्वछेबा॥६॥ सोमरात्रौ॥६॥

वा ज वि तु अ रा वा वि नं प सो भ सा रो ध्व से
त त स स स र त त स स स र त त म स स
ω 6 6 0 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 0 6 6

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

५

रामः१

मौमेमहेद्रास्यनमौघविह्म ॥ भमख नागोपतिखंगमोक्षा ॥ भौमदिवा

जे वि ते श्या रा का वि नं प सौ भ सा रो श्वे मे चा
न न न न स स न न न न स स न न न न
६ ६ ६ ६ ० ६ ६ ० ० ६ ६ ६ ० ६ ६ ६

नतंगमोक्षा ॥ क्षपरवमसूनमखभगोवश्र ॥ पंन्हहरीशवभ्रमंम्र१० भौमरात्रौ ॥

जे वि ते श्या रा का वि नं प सौ भ सा रो श्वे मै चा
स स न न न न स स न न न न स स न न
६ ६ ६ ६ ० ६ ६ ६ ६ ६ ० ६ ६ ६ ६ ६

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

रा म १

ॐ वेवन श्रीपजिपाद्ब्रुग्मं नामपूरा : स्वाग्द्रानाथ स्तोत्र : ११ ॐ व स्विा : ॥

ते	अ	श्व	रा	वा	वि	नं	प	सौ	भ	सा	रौ	श्वे	मै	वा	ज	वी
न	न	स	स	र	र	न	न	स	स	र	र	न	न	स	स	
०	०	८	८	८	७	७	८	८	८	८	०	०	०	०	०	

रात्रौ ठकालोहू विठ न्यकालोगोवीन्द गौरीसत ठन्य स्तोत्र : ॐ वेरात्रौ : १॥

अ	श्व	रा	वा	वि	नं	य	सौ	भ	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वि	ते
र	र	न	न	स	स	र	र	न	न	स	स	र	र	न	ते	
७	७	८	८	०	७	७	८	८	८	०	०	०	०	०	८	

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

नम१

नरोह्नः ७न्यऽगाश्चरेमः श्रीविभूपजग्ख्वगारोमाक्ष्मीः१२२७ नूदिवा१२ः॥

ना वा वि न प सौ भ सा सो ख्वे मे वा जे वि तु भ्र

स स र र न न स स र र न न स स र र

ऽ ऽ ० ऽ ० ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ० ० ० ऽ

निस्पंध्रिदैस्थाविख्वकामें कं चपादेपुराग्नाः ख्वयुगंऽ नभ्मी १२२७ नूरा चै१२

वा वि नं प सौ भ सा सो ख्वे मे वा जे वी छ भ्र ग

न न स स र र न न स स र र न न स स

ऽ ऽ ऽ ऽ ० ऽ ० ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ० ० ०

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

रामः

छत्रेस्तंवापमयोंन्दमथ्वलंम्बोत्स्वः केमावृक्षन्यपादं १२७ ऋ दिगा १३

दि. नं प सो म सा रौ ख्वे मै वा ज वि ठ म्या ग्रा वा

रु र त तु स स रु र त त स सु रु रु त तु

६ ६० ६ ६ ६ ६ ६०००० ६ ६ ६ ० ७

नतं पुगांश्री पतिखं चभुगमं न्लसोंहुगमान चभुगनं १३ ऋकेमगोः ॥१३॥

न प सो म सा रौ ख्वे मै वा ज वी च म्या ग्रा वा वि

स सु तु तु तु त स सु र रु तु तु सु स र र

६० ६ ६ ६ ० ६०००० ६ ६ ६ ० ६०

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

(81)

रा म१

छ नौपदं श्रीजैनमोपहं नः रवं श्रीपदेक्तिनमोह लिपित्र १६ मानिदिवाः ॥१६॥

छ नौ प दं श्री जै न मो प हं नः रवं श्री प दे क्ति न मो ह

प सो भ सा रे ख्वे मे वा ज वि उ भ्य रा वा वि ने

न न स्र ह्र रू रू न न स स रू रू ह न स्र स्र

ध o ध δ δ δ o δ δ δ o δ δ δ o ध

रा त्रौपदः रवं पदं नं छन्यं गजा न नोगोप मी छन्यपा दं १६ मानि रात्रौ १६

सो भ सा रै ख्वे मै वा ज वी नु भ्य रा वा वि नु प

र र [illegible] [illegible] स स्र र र न न स स र र न न

ध o ध δ δ δ o δ δ δ δ δ δ δ ध ध

18

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

याम्॥

ज्येष्ठमासेनयावाढे मलमासेनथैवच॥सूर्य्यादिनांतथा राशांमूहूर्ते चनलोचने॥

अर्वे छ न्येचक्षु द्यो ज पद खह रोविं भु वापं च छ न्यं म ॥१५॥नविदि वा॥८५॥ ॥

नौ	ख्वे	मै	वा	ज	वि	रु	अ	या	का	वि	नं	प	सौ	भ	सा
न	न	स	स	र	र	ज	ज	स	स	र	र	न	न	स	स
०	०	६	६	६	०	ш	०	६	६	६	६	६	०	०	०

रात्रौ ले क्षि छ उ जमं रु गा ले ह रो उ गां उ सु ले न्मौ हि छ न्यं १५ रविसा वौ॥८५॥

ख्वे	मै	वा	ज	वि	रु	अ	या	का	वि	नं	प	सौ	भ	सा	नै
न	न	ज	ज	स	स	न	न	ज	ज	स	स	न	न	ज	ज
६	६	६	०	६	६	ш	०	६	६	६	०	६	६	६	ш

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

रा भ १

सो[illegible]मेवापद्युक्तं न्यंनं सौहृदो: खभुजं लवि जं ने वासा स्वाछन्यंम्॥१६॥ सोमदि[illegible]॥

मे	वा	[illegible]	वि	जे	श्र	रा	वा	वि	नं	प	सौ	भ	सा	रो	ध्वे
स	स	र	र	ज	ज	स	स	र	र	ज	ज	स	स	र	र

वापद्वीन्दुनिशायां मजपदरवमज: वापवेन्निस्मसपादं १६ सोमराजौ:॥१६:॥

वा	जे	वि	जे	श्र	रा	वा	वि	नं	प	सौ	भ	सा	रौ	ध्वे	मे
ज	ज	स	स	र	र	ज	ज	स	स	र	र	ज	ज	स	स

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

मोमेछन्पंचपुगमंसलुमेछगगगगलहमेहिछिग वापाशिसेकृ॥ १८॥ मौमदिवाः॥

ज	वि	गे	ध्या	न	वा	वि	न	प	सौ	भ	सा	रे	श्वे	मै	वा
न	न	त	त	स	स	न	न	त	त	स	स	न	न	त	त
०	०	ऽ	ऽ	ऽ	०	०	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	०	ऽ	ऽ

ननपुगमचछन्पंछगगछगलेपदं भीर्नेपापेचवबृ विछे॥ मौमरागौ: १८:

वि	गे	ध्या	न	वा	वि	न	प	सौ	भ	सा	रे	श्वे	मै	वा	ज
स	स	र	र	न	न	स	स	र	र	न	न	स	स	र	र
ऽ	०	०	ऽ	ऽ	ऽ	०	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	०	०	ऽ	ऽ

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

(८)

रा म १

सो म्ये श्री विन्ध नाथो हरी ःगाजम्लखरःजना मःखपा दंम्ः॥१८॥ ३वेदि॥

ते ख्य रा वा वि नं पु सो भ सा रो श्वे मै चा जा वि

त त स स र र त त स स र र त त स स

ऽ ०ऽ ०ऽ ०ऽ ० ऽ ऽ ०ऽ ०ऽ ० ऽ ऽ ऽ ऽ ० ७

यमि न्यां सौ द्वि पुगमंह रोरव गाजेम खा ःलम्ब न्ये च वि श्चा१८ ३वेसा ते ःो॥

ख्य रा वा वि नं प सो भ सा रे श्वे मै वा जे वि ते

र र त त स स र र त त स स र र त त

ऽ ०ऽ ऽ ऽ ० ०ऽ ०ऽ ० ऽ ऽ ० ० ऽ ऽ

२२

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

जो रेवे छिम्म वापेगगरापदम धोम्मबिषुकसोन्ष सीहः॥ १८॥ तुहृदिवाः॥ १८॥

रा	वा	वि	नं	प	सौ	भ	सा	रो	छे	मे	वा	ज वी	तु	म्म	
स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	०	ध	ऽ	ऽ	०	ध	ध	ऽ	ऽ	ऽ

रात्रौ नो रवं मृ वृन्दोगगरा मृरासि७॥ रवं जामं [illegible] ७ न्य वीछ १८॥ तुरात्रौ

वा	वि	नं	प	सौ	भ	सा	रो	छे	मे	वा	ज	वि	तु	म्म	रा
त	त	स	स	न	न	स	त	स	स	र	र	त	त	स	स
०	०	ऽ	ऽ	ऽ	०	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	०	ध	ध	०	ऽ	ऽ

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

(५८)

राम१॥

कृत्वेऽभ्यंस्म्र कुन्दोगगनस्याभग मजोवीवू [illegible] नो र्घोजोप २० ८ त्रदिवा ॥२०॥

वी	नं	य	सो	म	सा	रौ	छे	मै	चा	जे	वि	ते	अ	रा	जे
न	न	त	त	स	स	न	न	त	त	स	स	र	र	त	त

तद्दत्तेवृग्म गोपीपतिगगनाम थ्यो श्रीवन स्वपदे श्री :२०॥ ८ नुमा त्रौ ॥२०॥

नं	य	सौ	म	सा	रौ	छे	मै	चा	जे	वि	ते	अ	रा	[illegible]	वि
स	स	न	न	त	त	स	स	न	न	त	त	स	स	न	न

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

ताम१

मंन्दे श्रीपुमसौझीःरवं हरीखं सीद्रिखं वाप्यननतर१मानि दिवा२१॥

प	सौ	म	सा	रै	ष्ठ	मै	वा	ज	वि	तु	श्र	रा	वा	वि	नं
न	न	स	स	न	न	न	न	स	स	न	न	न	न	स	स
ठ	ठठ		ठ	०	ठ	ठ	०	ठ	ठ	०	ठ	०	ठ	ठ	ठ

तुद्रानौश्रीपुगाप्योदि स्वहरीपुजाले यो मजोवींन्दे ष्ठ प्यंम्रः॥२१॥मानिरात्रौ॥

सौ	म	सा	रै	ष्ठ	मै	वा	ज	वि	तु	श्र	रा	वा	वि	नं	प
न	न	न	न	स	स	न	न	न	स	स	स	न	न	न	न
ठ	ठठ		ठ	ठ	०	०	ठ	ठ	ठठ		०	ठ	ठ	ठ	००

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

(२८)

राम

जन्मनक्षे संख्या सहिता गणा द्वौ द्वाविंशा नेन्द्र हृत्वावसेषात् ॥ आचंकूराजौ सकुकेछशूद्वौदशागृहेशो यांकथोनानूपूर्वकेभ्य ॥ आ च कू रा ळ श्र कु के छ क्रे गृहा
६ १५ ८ १२ १९ १७ १७ १० २१ वेदे ॥

अजाप्ति कूं भेगुरुनस्तावुते छका स्तवाप्तेय दिवाल्प्यकीहे देहूराहृ गच्छविवाहक र्मे उत्तार्थलोभ श्वान माघ काल १ मेषळ खेभ स्वे कूं भेयद्यानि चान गोगुरु नेंचैव कालेलोप स्यादित्याह भगवान् मनुः ॥ २ ॥ ० ० ० ० ० ० ० ॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

श्रीत्रिस्त्रमार्त्तौ ऽलिंगजैर्द्धं वरेण्यैर्नोदसम्यां निजदेहत्त्रमेदं विस्वेस्वत्र सम्यक्
रामरेखा पौरा रामेरव्यं वां काह पदै १ ॥ ० ० ० ० ० ० ० ० ॥

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

॥श्रीगणेशायनमः॥ नागेन्द्रहारायत्रिलोचनायभस्मांगरागायमहेश्वराय॥ दिव्यादिदेवायदिगंबरायत
स्मैनकारायनमश्शिवाय॥१॥ मातंगचर्म्मांवरभूषणायसमस्तगीर्वाणाधिनार्चिताय॥ त्रैलोक्यना
थायत्रिपुरांतकायतस्मैमकारायनमःशिवाय॥२॥ गौरीमुखांभोजविकाशनायदक्षस्ययज्ञभुवना
शनाय चन्द्रार्कवैश्वानरलोचनायतस्मैशिकारायनमः शिवाय ३ वसिष्ठकुंभोद्भवगोतमा
यमुनीन्द्रवंद्यायगिरीश्वराय श्रीनीलकंठायवृषभध्वजायतस्मैवकारायनमःशिवाय ४ यक्षस्व
रूपायजटाधरायपिनाकहस्तायसनातनाय नित्यायशुद्धायनिरंजनायतस्मैयकारायनमःशि
वाय ५ पंचाक्षरमिदंस्तोत्रंयःपठेच्छिवसन्निधौ शिवलोकमवाप्नोतिशिवेनसहमोदयेत् ६

इतिपंचाक्ष
र

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

श्रीगणेशायनमः ॥प्रातर्भजामिरघुनाथपदारविंदंमंदस्मितंमधुरभाषिविसालभालं
कर्णावलंबिचलकुंडलशोभिगंडं कर्णांतदीर्घ[illegible]नयनंनयनाभिरामम् १ प्रातर्भजा
मिरघुनाथपदारविंदंपद्मांकुशादिशुभरेखसुभावहंमे योगींद्रमानसमधुव्रतसे
व्यमानंसापापहंगौतमधर्मपत्न्यां २ प्रातर्भजामिरघुनाथपदारविंदंरक्षोगणायभ
यदंवरदंनिजेभ्यः यद्राजसंसदिविभज्यमहेशचापंसीताकरग्रहणमंगलमापस
द्यः ३ प्रातःश्रयेश्रुतिनुतंरघुनाथमूर्तिंनीलांबुजोत्पलसितेतररत्ननीलं
आमुक्तमौक्तिकविशेषविभूषणाढ्यांध्येयांसमस्तमुनिभिर्निजभृत्यमुक्त्यै ४

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

५८

पार्वतीसर्वप्रतर्वेदामिव वसास्तुनोथनामभाग्दोषहानिसकलतमसमस्तंनिहंति ॥ ५ पार्वतिसर्व
प्रातर्वेदाभिव वसान्तुनोथनामभाग्दोषहानिसकलतमसमस्तं ... समंवपाप ॥ ५ ॥ वश्लोकपंचकमिदं मनुज
तिनाशहभीति कामाप्तिस्येसह स्वहतिनामसमंवपाप ॥ ५ ॥ श्रीरामर्कि कनजेन ... मख्यो मे त्वा
पठेनखिलस्य प्रभात समयेनिहितेपुवृच्छ ॥ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०॥
प्रयाति हनि लोक मनेन्पसभ्यम् ॥ ० ० ० ० ० ० ॥ अनंतादित्यसंकाशं वासुदेवं विविधं
श्रीगणेशायनमः ॥ षड्कितंपुण्डरीकाक्षं ... मतं हरि स्मरेत् ॥ अनंतानन्तसंकुन्तेस्फुरन्मकरकुंडला ॥ २ ॥
तयेत् १ अनंतरत्नखचितमुकुटेन विराजितं ॥ ... पादपाथोरुहद्वयं ॥ ३ ॥
सर्व विलोकक कर्म कुन्दन पूरशोभितं । ध्वजवज्रांकुशोर्ध्वं ... मंत्रवाच्यगतं मनम ॥ ४ ॥
तत्याद्पभजान्धारा न्निपतंतिसमूर्द्धनि ॥ ततः संहाय पदेहं

30

श्रीरामभुस्म॰
श्रीदेव्यैनमः

नृसिंहं रणाद्य जैन्मंत्री स्फाटि जायन कोपमं॥ मंत्रं च हिश्वनत्सर्वमानसस्मान्नमावरेन्॥५॥ ॐ न
मो नारायणाय येजित वचनाणा स्वभान्तिनः॥ नमोस्तुते पापहारि र्ष्यै विश्वमूर्त्ति नमोस्तुते॥ हि
त्रबनंनृसा स्वर्णं विहंमनंतमजमव्ययं॥ नारायणंगरुडध्वजं गोविंदं हतभोजनं॥७॥
गोवर्द्धनधरं देवं सर्वं भुवनेश्वरं॥ वेनारंयत्रपुनुवंयत्नेसे यत्ने वाहनमे॥८॥ स्मरेन्नर
रिहं देवं सर्वकामार्थसिद्धिदं॥ मंत्रस्नानं समाप्तं॥ ॥ श्रीराम हे हेम जयेति॥ हवी

KKSU LIBRARY
RAMTEK
441 106
M950
Dist Nagpur

(31)

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

[OrderDescription]
,CREATED=17.10.20 11:54
,TRANSFERRED=2020/10/17 at 11:59:31
,PAGES=31
,TYPE=STD
,NAME=S0004078
,Book Name=M-950-JYOTISHRAM BHAKSHAM
,ORDER_TEXT=
,[PAGELIST]
,FILE1=00000001.TIF
,FILE2=00000002.TIF
,FILE3=00000003.TIF
,FILE4=00000004.TIF
,FILE5=00000005.TIF
,FILE6=00000006.TIF
,FILE7=00000007.TIF
,FILE8=00000008.TIF
,FILE9=00000009.TIF
,FILE10=00000010.TIF
,FILE11=00000011.TIF
,FILE12=00000012.TIF
,FILE13=00000013.TIF
,FILE14=00000014.TIF
,FILE15=00000015.TIF
,FILE16=00000016.TIF
,FILE17=00000017.TIF
,FILE18=00000018.TIF

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

FILE19=00000019.TIF
,FILE20=00000020.TIF
,FILE21=00000021.TIF
,FILE22=00000022.TIF
,FILE23=00000023.TIF
,FILE24=00000024.TIF
,FILE25=00000025.TIF
,FILE26=00000026.TIF
,FILE27=00000027.TIF
,FILE28=00000028.TIF
,FILE29=00000029.TIF
,FILE30=00000030.TIF
,FILE31=00000031.TIF
,

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection